آستانہ حضرات مخدومین سادات چودہوں پیراں (علیہم الرحمۃ والرضوان) الہ آباد

www.syed14peer.com

۲۸۶/۹۲

نقش تحفۂ روحانی وحل المشکلات

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ

صـ م ح م د علی اللہ وسلم
صـ ح م د م علی اللہ وسلم
صـ م د م ح علی اللہ وسلم
صـ د م ح م علی اللہ وسلم

اس نقش کو دیکھنے والے کی ہر مشکل حل ہوگی انشاءاللہ

सलामे मोहम्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़

अस्सलामुल्मुहम्मदिय्यु ﷺ मिनल मीमिल अर्बईन बिदूनिन्नुक़्त़ति

सलामे मोहम्मदी चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़ (30)

मुरत्तिब

बमौक़ा शअ़बान 1439हि0

बफ़ैज़े रूहानी सय्यिदुना मोहयुद्दीन व सय्यिदुना मोईनुद्दीन व ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم

मोहम्मद अ़ज़ीज़ सुल्त़ान नाचीज़

مَعَ اسْمِ اللهِ الْمَلِكِ السَّلٰمِ ○ اَللّٰهُمَّ لَكَ الْحَمْدُ
لَااِلٰهَ اِلَّا اللهُ صَلِّ كَامِلًا وَّسَلِّمْ دَائِمًا وَّ كَرِّمْ
سَرْمَدًا عَلٰى مَوْلَائِيْ حَمْدِكَ مُحَمَّدٍ حَمْدِ اللهِ
وَ كَرَمِكَ مُحَمَّدٍ كَرَمِ اللهِ وَاَمْرِكَ مُحَمَّدٍ اَمْرِ اللهِ
وَهُوَ مُكَرَّمُكَ مُحَمَّدٌ رَّسُوْلُ اللهِ ○ اَطْلَعَ اللهُ
وَالِدَهٗ كُلَّ الْوَالِدِ وَاُمَّهٗ كُلَّ الْاُمِّ وَاٰلَهٗ كُلَّ الْاٰلِ
وَعَلٰى وَالِدِهٖ وَاُمِّهٖ وَاٰلِهٖ وَالْمَوْلٰى عَلِيٍّ وَّ وَلَدَىْ عَلِيٍّ
وَّاُمِّهِمَا ○ وَمُحْيِ الْاِسْلَامِ وَاٰلِهٖ وَوَالِى الْاِسْلَامِ
وَاٰلِهٖ وَاَحْمَدَ وَلِيِّ اللهِ وَحَوَارِيِّ وَلِيِّ اللهِ وَاٰلِهٖ وَكُلِّ
اُمَمِ رَسُوْلِ اللهِ ﷺ كُلَّ الْحَالِ ○

मुराद: अल्लाह के इस्म के सहारे कि वही मालिक व सलामी वाला है। ऐ हमारे अल्लाह सारी ह़म्द अल्लाह ही केलिए है वाहिद अल्लाह ही इलाह है कामिल दुरूद दाइमीसलाम और सरमदी करम हमारे मौला अल्लाह की ह़म्द मोह़म्मद ﷺ के लिए कि वह अल्लाह की ह़म्द है और अल्लाह के करम मोह़म्मद ﷺ के लिए कि वह अल्लाह का करम है और अल्लाह का अम्र मोह़म्मद ﷺ के लिए कि वह अल्लाह का अम्र है और वह अल्लाह के मुकर्रम मोह़म्मद ﷺ अल्लाह का रसूल है अल्लाह कमाले दमक वाला किए उस रसूल के वालिद को सारे वालिद से और माँ को सारी माओं से और आलोऔलाद को सारी आलो औलाद से और(दुरूदो सलाम)उस रसूल के वालिद केलिए हो और माँ केलिए हो और आल केलिए हो,मौला अ़ली के लिए हो, मौला अ़ली के लाडलों केलिए हो और मौला अ़ली के लाडलों की वालिदह के लिए हो, इस्लाम के मुह़यी केलिए हो और आल केलिए हो,इस्लाम के मददगार केलिए हो और आल केलिए हो और अह़मद वलीयुल्लाह केलिए हो और वलीयुल्लाह के हमदमों केलिए हो और आल केलिए हो, अल्लाह के रसूल की सारी उमम केलिए हो हर दम।

तौज़ीह़ी तर्जमा:- अल्लाह के इस्म के साथ जो मालिक है सलामती देने वाला है ऐ हमारे अल्लाह तमाम तअ़रीफ़ तेरे ही लिए है अल्लाह के सिवा कोई मअ़बूद नहीं तू खूब खूब कामिल दुरूद दाइमी सलाम और सरमदी करम नाज़िल फ़रमा हमारे मौला तेरी ह़म्द मोह़म्मद ﷺ पर जो अल्लाह की ह़म्द है और तेरे करम मोह़म्मद ﷺ पर जो अल्लाह का करम है और तेरे अम्र मोह़म्मद ﷺ पर जो अल्लाह का अम्र है और वह तेरे मुकर्रम मोह़म्मद ﷺ अल्लाह के रसूल हैं कि जिनके वालिद (सय्यिदुना अ़ब्दुल्लाह रद़ियल्लाहु अ़न्हु) को तूने तमाम वालिद में सबसे ज़्यादा मुनव्वर किए और जिनकी माँ (बी बी आमिना रद़ियल्लाहु अ़न्हा) को तमाम माओं में सबसे ज़्यादा मुनव्वर किए और जिनकी आलो औलाद को तमाम आलो औलाद में सबसे ज़्यादा मुनव्वर किए और (दुरूदोसलाम नाज़िल हो) आप ﷺ के वालिद पर और आप ﷺ की वालिदह पर और आल पर, ह़ज़रत मौला अ़ली रद़ियल्लाहु अ़न्हु पर और मौला अ़ली के दोनों लाडलों इमामे ह़सन व इमामे हुसैन अ़लैहिमस्सलाम पर और ह़स्नैन करीमैन की वालिदह ख़ातूने जन्नत सय्यिदह बीबी फ़ातेमा ज़हरा रद़ियल्लाहु अ़न्हा पर और दीन के ज़िन्दा करनेवाले मुह़युद्दीन सय्यिदुना शैख़ अ़ब्दुल क़ादिर जीलानी रद़ियल्लाहुअ़न्हु पर आपकी आल पर और दीन के मददगार

ख़्वाजा मोईनुद्दीनह़सनसन्जरी पर आपकी आलपर और ह़ज़रत मख़्दूम सय्यिद अह़मद वलीयुल्लाह पर आप के अस़्ह़ाबे रूह़ानी पर और आलपर,और अल्लाह के रसूल के सारे उम्मतियों पर हर दम।

फ़ज़ीलते सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम ग़ैर मन्क़ूत़(30)

यह "सलामे मोह़म्मदी ﷺ चहेल मीम" जो कि 40 मीम के साथ बेग़ैर नुक़्ते वाले हुरूफ़ पर मुश्तमिल है इस का तर्जमा भी ग़ैर मन्क़ूत़ है जिस को समझने के लिए तौज़ीह़ी तर्जमा शामिल है जो शख़्स़ इस दुरूद को रोज़ाना 11/40 बार पढ़ने का अपना मअ़मूल बनाएगा उसे अल्लाहो रसूल की खुश्नूदी ह़ासिल होगी और उसे उ़म्र की दराज़ी ह़ासिल होगी, दुन्यवी व उख़्रवी ह़ाजतें पूरी होंगी और वह जुम्ला बलीयात से मह़फ़ूज़ रहेगा। और ईमान पर ख़ातेमा होगा इन्शाअल्लाहु तआ़ला।

नोट:- आस्तान-ए-ह़ज़रात मख़्दूमीन सादात चौदहों पीराँ رضی اللہ عنہم से मुतअ़ल्लिक़ जुम्ला मत़बूआ़त मस्लन "दुरूदे रूह़ानी व दोआ़-ए-क़ल्बी, दुरूदे मोह़म्मदी, सलामे मोह़म्मदी मअ़ असरारे "मीम ह़ा मीम दाल" और दुरूदे चहल मीम"वग़ैरह **www.syed14peer.com** पर मुलाह़ज़ा कर सकते हैं। Mo. 9695435877